विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा

[स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में बोत्सवाना में कारोवे डायमंड माइन में **2,492 कैरेट के एक हीरे की खोज की गई** है , जो विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हीरा है। ज्ञातव्य है कि अब तक का **सबसे बड़ा हीरा कुलनिन हीरा है, जिसका वज़न 3,106 कैरेट है**, जिसे वर्ष 1905 में दक्षिण अफ्रीका में खोजा गया था।

- इस हीरे को **मेगा डायमंड रिकवरी (MDR) एक्स-रे ट्रांसमिशन (XRT)** तकनीक का उपयोग करके पुनर्प्राप्त किया गया था, जो बड़े हीरों की पहचान और संरक्षण को बढ़ावा देता है।
- **बोत्सवाना** एक प्रमुख **हीरा उत्पादक देश है**, बोत्सवाना के सकल घरेलू उत्पाद का 30% और इसके निर्यात का 80% हिस्सा हीरे से आता है।
- **हीरे का परिचय :**
  - हीरा **कार्बन का एक अपरूप है** और पृथ्वी पर प्राकृतिक रूप में पाए जाने वाला सबसे कठोर पदार्थ है।
  - पृथ्वी के मेंटल में निर्मित और ज्वालामुखीय गतिविधि के माध्यम से सतह पर लाया गया यह पदार्थ **डाइक एवं सिल्स जैसे ज्वालामुखीय भू-आकृतियों** में पाया जाता है।
  - **उपयोग:**
    - आभूषण, धातु पॉलिशिंग, जेम कटिंग और ड्रिल के लिये एज कटिंग जैसे औद्योगिक अनुप्रयोगों में।
  - **भारत में प्रमुख स्थान:**
    - **पन्ना बेल्ट (मध्य प्रदेश), वज्रकरुर किम्बरलाइट पाइप और कृष्णा नदी बेसिन (आंध्र प्रदेश)**।
    - पॉलिशिंग और कटिंग उद्योग सूरत, नवसारी, अहमदाबाद और पालमपुर में केंद्रित है।
  - **प्रमुख उत्पादक:**
    - रूस, बोत्सवाना, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC)।

और पढ़ें: [प्रयोगशाला में निर्मित हीरे]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-s-second-largest-diamond